अध्याय – 3

मानव जनन

स्त्री जनन तंत्र

अध्याय
1, 2
Test

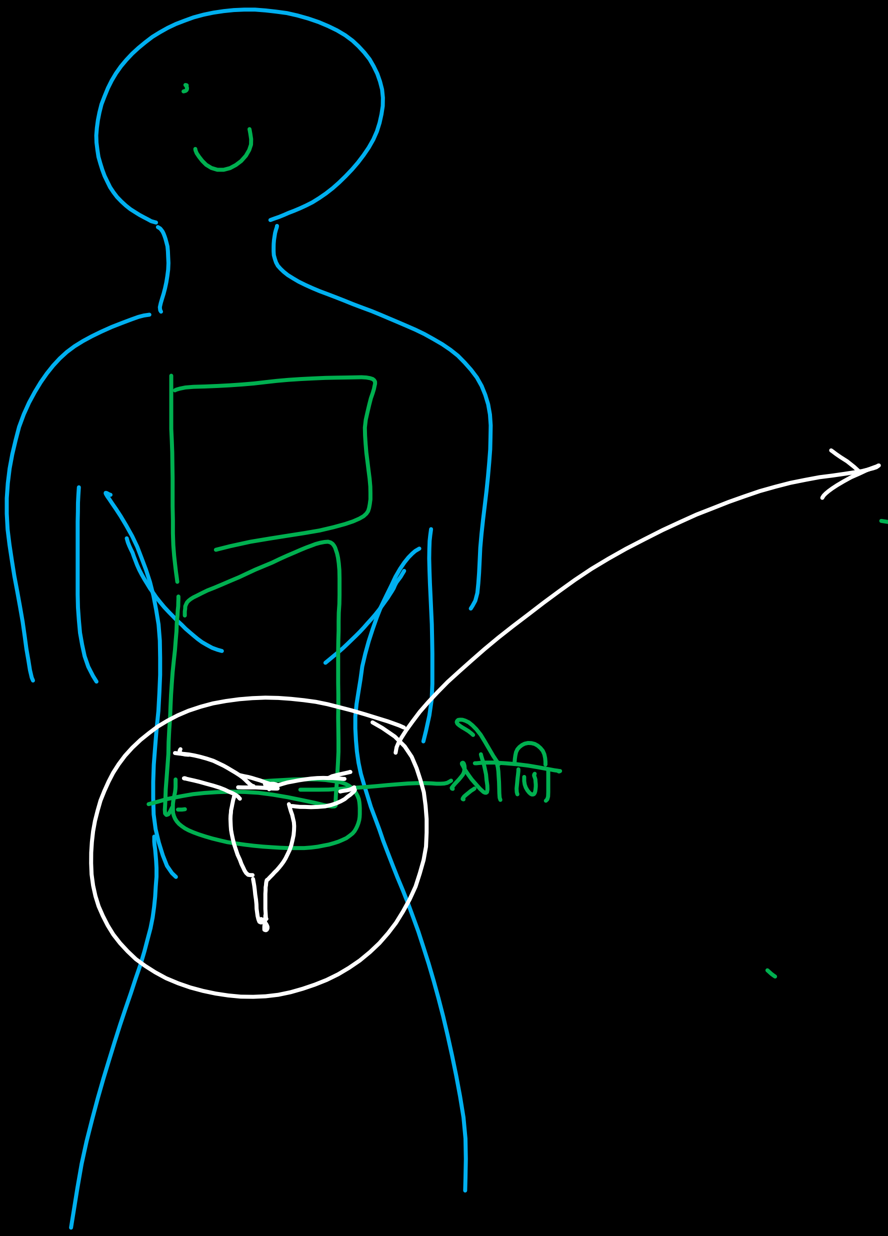

प्राथमिक अंग — अण्डाशय (Ovary)

सहायक अंग :- अंडवाहिनी (Oviduct) F.T

- गर्भाशय (Uterus), गर्भाशय ग्रीवा Cervix

योनि (Vagina)

सहायक ग्रन्थि : स्तन ग्रंथि

स्त्री जनन तंत्र

- स्त्री जनन तंत्र के अन्तर्गत एक जोड़ा अंडाशय (ओवरी) के साथ–साथ एक जोड़ा अंडवाहिनी (ओविडक्ट), एक गर्भाशय (यूटेरस), एक गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) तथा एक योनि (वेजाइना) और बाह्य जननेन्द्रिय (एक्सटर्नल जेनिटेलिया) शामिल होते हैं जो श्रोणि क्षेत्र में होते हैं।
- जनन तंत्र के ये सभी अंग एक जोड़ा स्तन ग्रंथियों (मैमरी ग्लैंड्स) के साथ संरचनात्मक तथा क्रियात्मक रूप में संयोजित होते हैं।
- जिसके फलस्वरूप अंडोत्सर्ग, (ओव्यूलेशन), निषेचन (फर्टिलाइजेशन), सगर्भता (प्रेगनेन्सी), शिशुजन्म तथा शिशु की देखभाल की प्रक्रियाओं में सहायता मिली है।

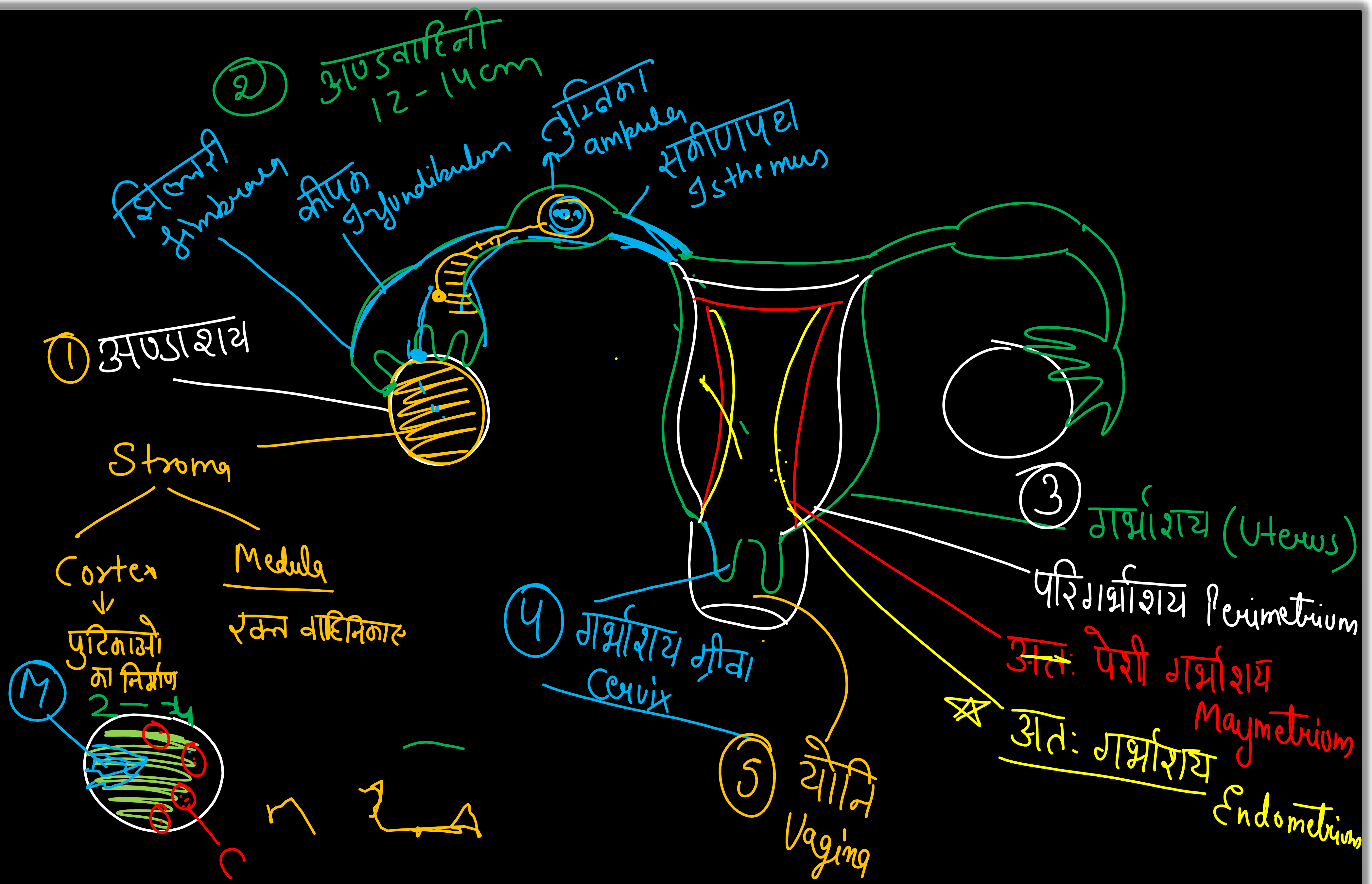

② अण्डवाहिनी
12 - 14cm
झिल्लरी
Fimbriae
कीपक
Infundibulum
तुम्बिका
ampulla
संकीर्णपथ
Isthemus
① अण्डाशय
Stroma
Cortex
पुटिकाओं का निर्माण
Medula
रक्त वाहिनिकाए
M
C
③ गर्भाशय (Uterus)
परिगर्भाशय Perimetrium
अंत: पेशी गर्भाशय
Maymetrium
अंत: गर्भाशय
Endometrium
④ गर्भाशय ग्रीवा
Cervix
⑤ योनि
Vagina

अंडाशय

- अंडाशय स्त्री के प्राथमिक लैंगिक अंग हैं जो स्त्री युग्मक (अंडाणु/ओवम) और कई स्टेरॉयड हॉर्मोन (अंडाशयी हार्मोन) उत्पन्न करते हैं।

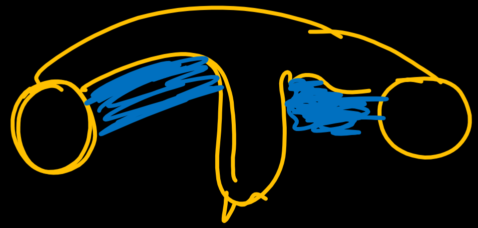

- उदर के निचले भाग के दोनों ओर एक–एक अंडाशय स्थित होता है।
- प्रत्येक अंडाशय की लम्बाई 2 से 4 से.मी. के लगभग होती है और यह श्रोणि भित्ति तथा गर्भाशय से स्नायुओं (लिगामेंट्स) द्वारा जुड़ा होता है।
- प्रत्येक अंडाशय एक पतली उपकला (एपिथिलियम) से ढका होता है जो कि अंडाशय पीठिका (ओवेरियन स्ट्रोमा) से जुड़ा होता है।
- यह पीठिका दो क्षेत्रों–एक परिधीय वल्कुट (पेरिफेरल कॉर्टेकस) और एक आंतरिक मध्यांश (मेडुला) में विभक्त होता है।

अंडवाहिनियाँ

- अंडवाहिनियाँ (डिम्बवाहिनी नलिका/फेलोपियन नलिका), गर्भाशय तथा योनि मिलकर स्त्री सहायक नलिकाएँ बनाती हैं।
- प्रत्येक डिम्बवाहिनी नली लगभग 10–12 से.मी. लम्बी होती है, जो प्रत्येक अंडाशय की परिधि से चलकर गर्भाशय तक जाती है।
- अंडाशय के ठीक पास डिंबवाहिनी का हिस्सा कीप के आकार का होता
- है, जिसे कीपक (इंफन्डीबुलम) कहा जाता है।
- इस कीपक के किनारे अंगुलि सदृश्य प्रक्षेप (प्रोजेक्शन) होते हैं, जिसे झालर (फिंब्री) कहते हैं।

- अंडोत्सर्ग के दौरान अंडाशय से उत्सर्जित अंडाणु को संग्रह करने में ये झालर सहायक होते हैं।
- कीपक आगे चलकर अंडवाहिनी के एक चौड़े भाग में खुलता है, जिसे तुंबिका (एंपुला) कहते हैं।
- अंडवाहिनी का अंतिम भाग संकीर्ण पथ (इस्थमस) में एक संकरी अवकाशिका (ल्यूमेन) होती है, जो गर्भाशय को जोड़ती है।

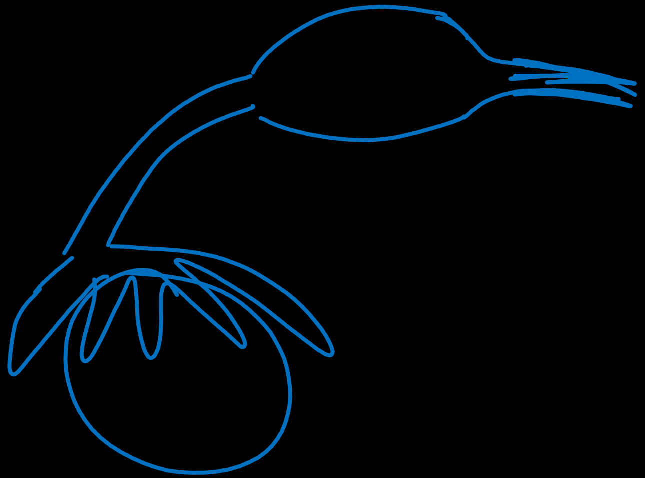

गर्भाशय

- गर्भाशय केवल एक होता है और इसे बच्चादानी (वुम्ब) भी कहते हैं।
- गर्भाशय का आकार उल्टी रखी गई नाशपाती जैसा होता है। यह श्रोणि भित्ति से स्नायुओं द्वारा जुड़ा होता है। गर्भाशय एक पतली ग्रीवा द्वारा योनि में खुलता है। ग्रीवा की गुहा को ग्रीवा नाल (सर्वाइकल कैनाल) कहते हैं।
- जो योनि के साथ मिलकर जन्म–नाल (वर्थ कैनाल) की रचना करती है। गर्भाशय की भित्ति, ऊतकों की तीन परत वाली होती है।

1. बाहरी पतली झिल्लीमय स्तर को परिगर्भाशय (पेरिमैट्रियम),
2. मध्य मोटी चिकनी पेशीय स्तर को गर्भाशय पेशी स्तर (मायोमैट्रियम) और आंतरिक ग्रंथिल स्तर को गर्भाशय अंतःस्तर (एंडोमैट्रियम) कहते हैं।

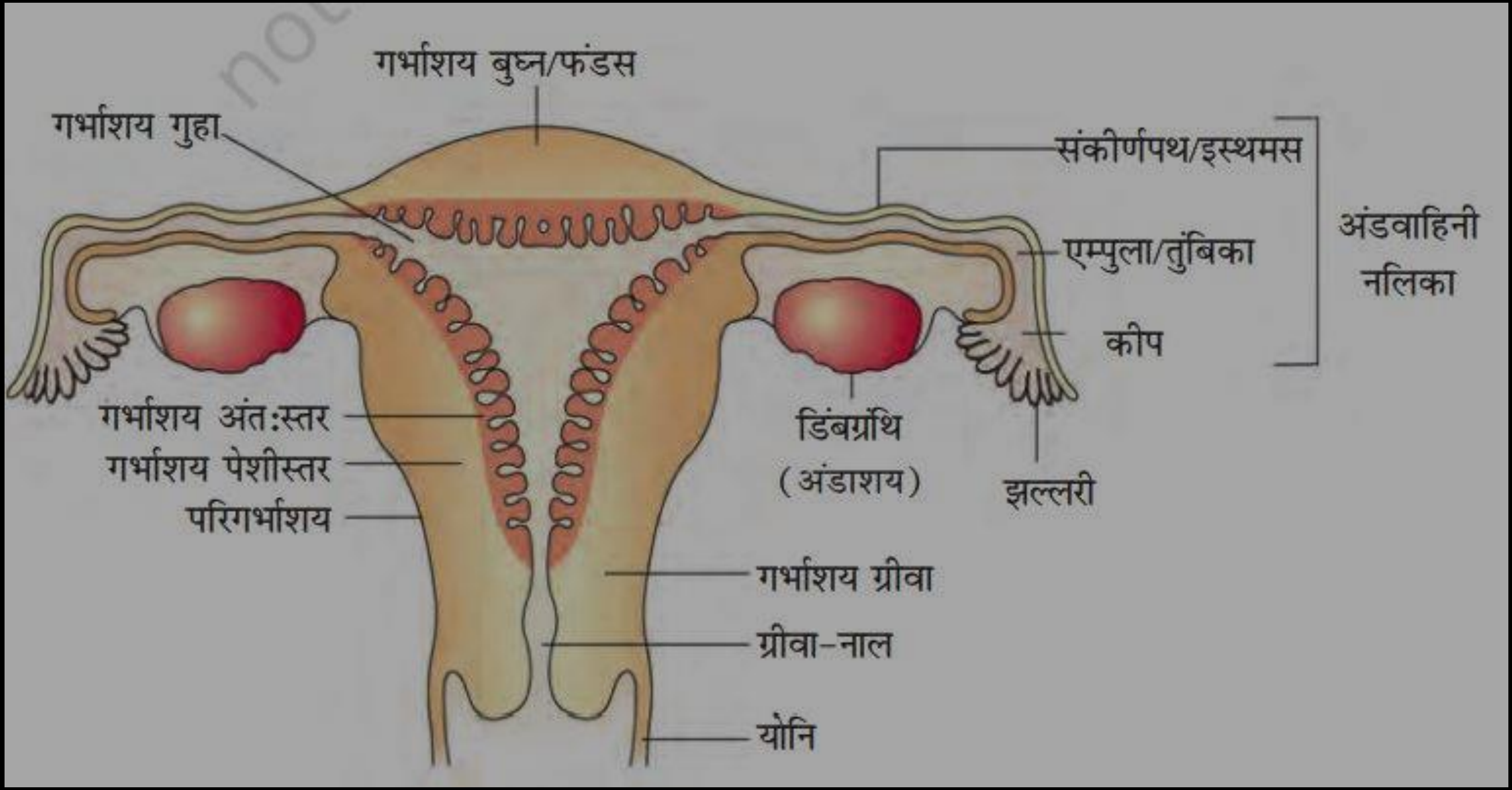
गर्भाशय बुघ्न/फंडस
गर्भाशय गुहा
संकीर्णपथ/इस्थमस
अंडवाहिनी नलिका
एम्पुला/तुंबिका
कीप
गर्भाशय अंत:स्तर
गर्भाशय पेशीस्तर
परिगर्भाशय
डिंबग्रंथि (अंडाशय)
झल्लरी
गर्भाशय ग्रीवा
ग्रीवा-नाल
योनि

बाह्य जननेंद्रिय

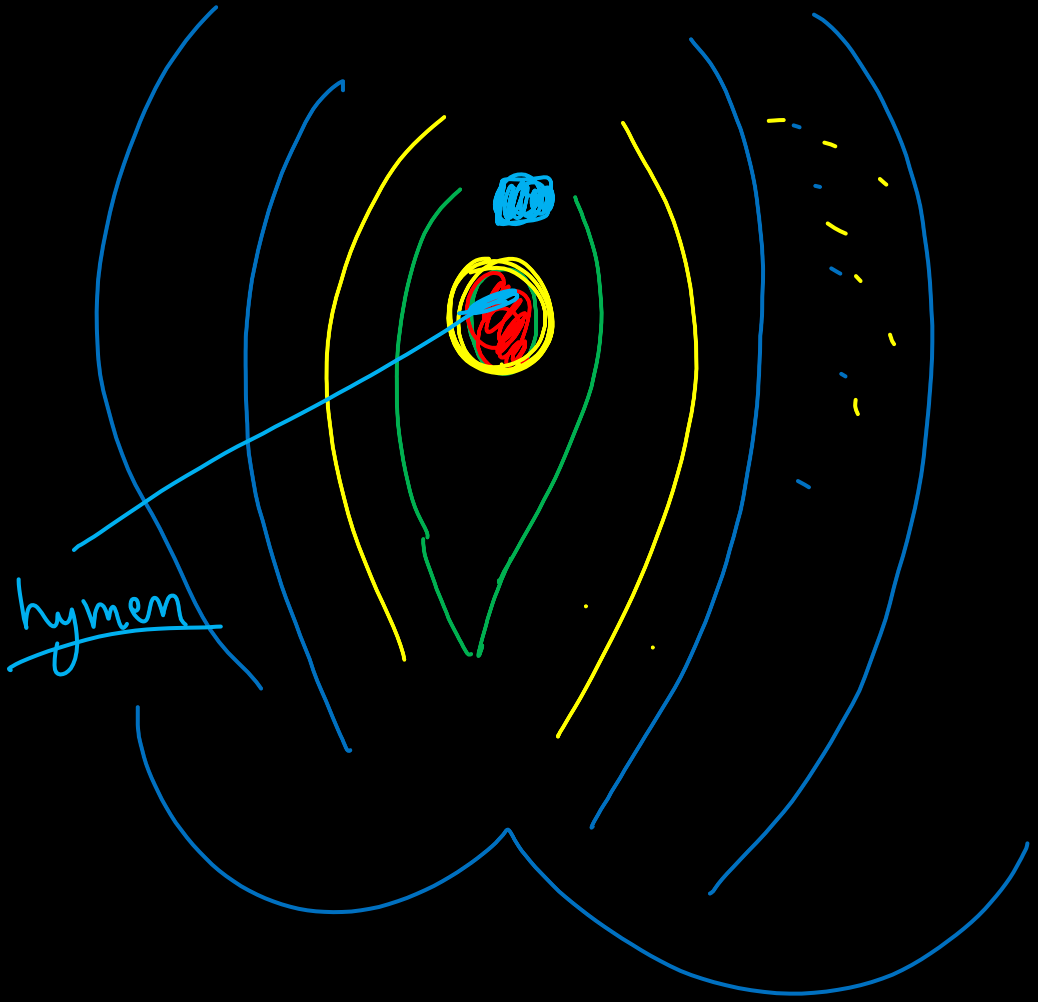

- स्त्री के बाह्य जननेंद्रिय के अन्तर्गत –

1. जघन शैल (मौंस प्यूबिस),
2. वृहद भगोष्ठ (लेबिया मैजोरा),
3. लघु भगोष्ठ (लेबिया माइनोरा),
4. योनिच्छद (हाइमेन) और
5. भगशेफ (क्लाइटोरिस) आदि होते हैं।

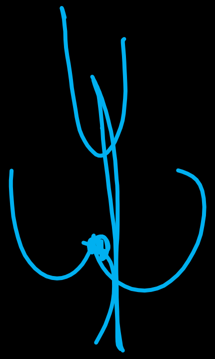

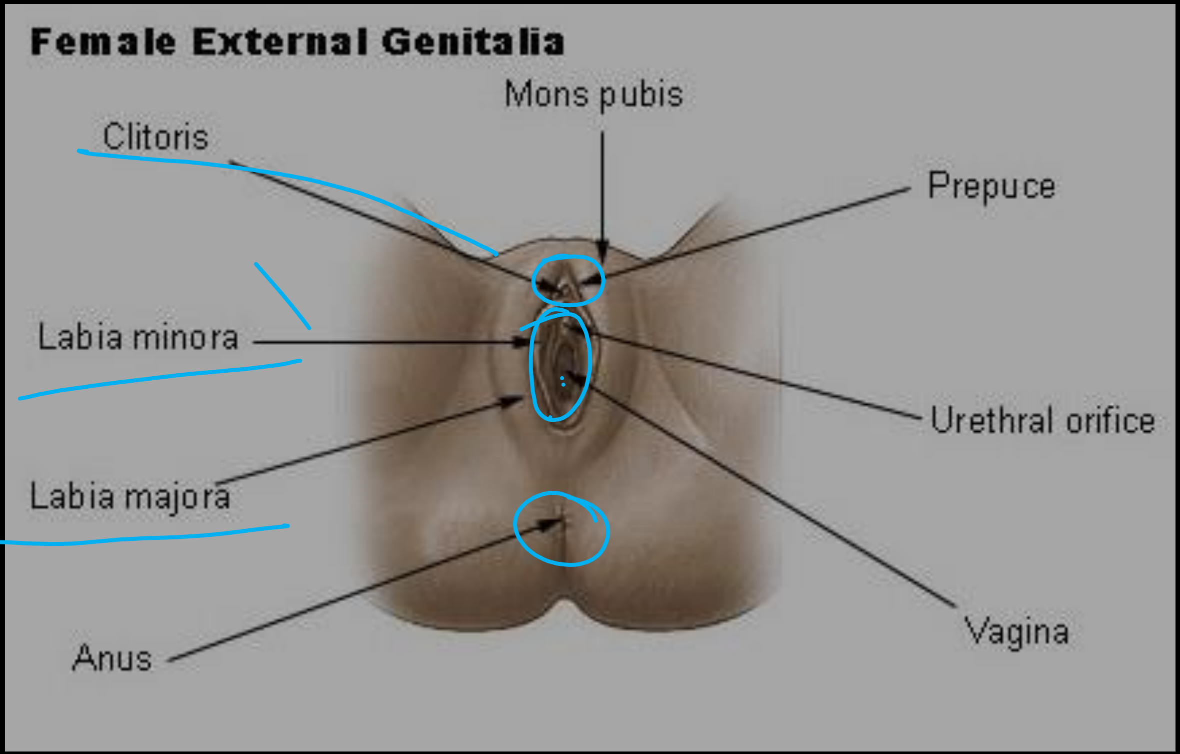
Female External Genitalia
Mons pubis
Clitoris
Prepuce
Labia minora
Urethral orifice
Labia majora
Anus
Vagina

- जघन शैल वसामय ऊतकों से बनी एक गद्दी सी होती है जो त्वचा और जघन–बालों से ढँकी होती है।
- वृहद भगोष्ठ ऊतकों का माँसल वलन (फोल्ड) है, जो जघन शैल से नीचे तक फैले होते हैं और योनिद्वार को घेरे रहते हैं।
- लघु भगोष्ठ ऊतकों का एक जोड़ा वलन होता है और यह वृहद भगोष्ठ के नीचे स्थित होता है।
- योनि का द्वार प्रायः एक पतली झिल्ली जिसे योनिच्छद करो अवकाशिका कहते हैं, से आंशिक रूप से ढका होता है।
- भगशेफ एक छोटी सी अंगुलि जैसी संरचना होती है जो मूत्र द्वार के ऊपर दो वृहद भगोष्ठ के ऊपरी मिलन बिन्दु के पास स्थित होती है। योनिच्छद प्रायः पहले मैथुन (संभोग) के दौरान फट जाता है।

- हालाँकि यह आवरण कभी–कभी तेज धक्के या अचानक गिरने से भी फट सकता है।
- इसके अलावा योनि टैम्पॉन को घुसेड़ने या फिर घोड़े पर चढ़ने या साइकिल चलाने, आदि खेल कूद की सक्रिय भागीदारी से भी फट सकता है। कुछ औरतों का योनिच्छद संभोग के बाद भी बना रहता है।
- इसलिए योनिच्छद के होने अथवा न होने की बात को किसी स्त्री के कौमार्य (वर्जिनिटी) या यौन अनुभवों का वास्तविक सूचक नहीं माना जाना चाहिए।